शिक्षण पाठ योजना

सेमेस्टर- VIII

AMJ1 : हिंदी साहित्य का आदिकाल एवं मध्यकाल **व्याख्यान घंटे: 60**

उद्देश्य : पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिमाण निम्नवत होगा :-

1. हिंदी साहित्य के आदिकाल एवं मध्यकाल (भक्तिकाल, रीतिकाल) के उद्भव एवं विकास की पृष्ठभूमि से विद्यार्थी अवगत हो सकेंगे ।
2. हिंदी साहित्य के आदिकाल एवं मध्यकाल के साहित्यतिहास की समस्या एवं विभिन्न परिस्थितियों से विद्यार्थी अवगत हो सकेंगे ।
3. मध्यकालीन रचनाओं एवं काव्यगत विशेषताओं को विद्यार्थी जान सकेंगे |
4. रीतिकालीन प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाओं से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे ।

क्र . स	विषय और उद्देश्य	व्याख्यान घंटे	कार्यप्रणाली	मूल्यांकन विधि
इकाई-I	**प्रस्तावित संरचना**			
	1. साहित्य इतिहास का अर्थ और प्रयोजन, साहित्यतिहास की प पुनर्लेखन की समस्याएं, साहित्य का इतिहास दर्शन, हिंदी साहित्यतिहास लेखन की प्रमुख पद्धतियां, आदिकालीन रासो साहित्य ,जैन, सिद्ध और नाथ साहित्य ।	20 **घंटे**	व्याख्यान और चर्चा	कार्यभार
इकाई-II	**प्रस्तावित संरचना**			
	1. भक्ति आंदोलन के उदय की पृष्ठभूमि,भक्ति काल,हिंदी साहित्य का स्वर्ण युग,हिंदी संत कवि एवं उनकी रचनाएं,प्रमुख सूफी कवि एवं उनकी रचनाएं,कृष्ण काव्य एवं राम काव्य परंपरा,अष्टछाप और उनके प्रमुख कवि,रामचरितमानस का वैशिष्ट्य ।	**20 घंटे**	व्याख्यान और चर्चा	कार्यभार

इकाई-III	1. रीतिकालीनप्रमुख कवि और उनकी रचनाएं,रीतिकालीन काव्य की विविध धाराएं,रीतिकालीन दरबारी संस्कृति और लक्षण ग की परिपाटी,रीतिकालीन काव्य में लोक जीवन ।	20 **घंटे**	व्याख्यान और चर्चा	कार्यभार

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. हिंदी साहित्य का इतिहास -आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का इतिहास -डॉ, नागेंद्र (सम्पादक)

- द्वारा तैयार

सुश्री प्रतिमा परधिया